अन्तर्पाष्ट्रीय न्यापार से लाभ और आय वितरण कि नाम नाम (Gains from Trade and Income Distributions)

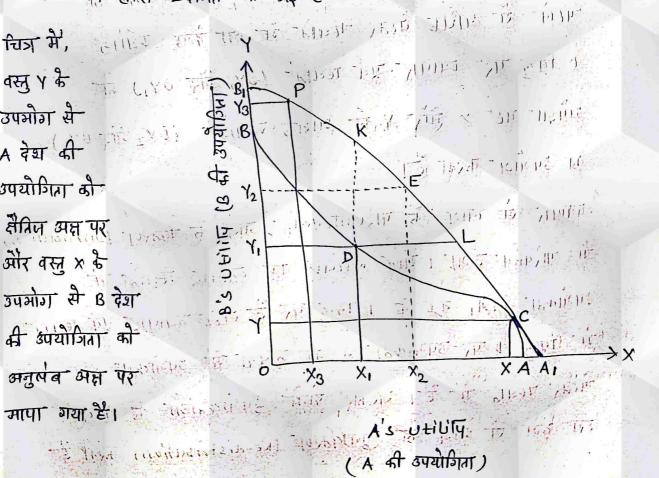
तात ने रांत काल ते वे जब एक देश दूसरे देश के साध न्यापार करता है तो उसे न्यापार से लाभ होता है। ज्यापार से लाग से देश में आया वितरण होता है। के किसे व लिए . ११८११

मान्यतार (Assumptions)

- द्विपारी के में नेतान वागान ा एक होरा देश है।
- ७ यह × और ४ हो वस्तुएं उत्पादित करता है।
- (3) A और हिंदी हैं। कि कि की कि कि
- (4) सरकार एक परिभाषित कल्याण फैलन के अनुसार आय का वितरण करती ध्र ीं वालिया है। जाना माना माना है। o्यार्ग्या (Explanation)

विमान्यमाएँ दी होने पर व्यापार के लाभ से आय वितरण की व्यारव्या

उपभोग से A देश की उपयोगिता की सैतिज अम् पर और वस्तु x है उपमोग से 8 देश की अपयोगिता की अनुलब अस पर पर



ण्यापार धर्न स्थिति में, उनकी अपयोगिता योगातना सीमा BA है। व्यदि ते ८ संयोग का उपयोग करते हैं तो त की उपयोगिता B से अधिक होती हैं क्यों कि त देश B की तुलना में भ वस्तु की अपेक्षा × की अधिक मात्रा का उपगोग करता है, अर्थात ०×>०४ विद पर ते होते है तो होनों वस्तुओं के उपयोग से उन्हें समान उपयोगिता ग्राप्त होती है, अर्थात ०×| ०४ विद पर ते होते हैं तो होनों वस्तुओं के उपयोग से उन्हें समान उपयोगिता ग्राप्त होती है, अर्थात ०×| ०४ विद पर विदेत हैं। अर्थात ०×| ०४ विद समान उपयोगिता ग्राप्त होती है, अर्थात ०×| ०४ विद समान उपयोगिता ग्राप्त होती है, अर्थात ०×| = ०४। ।

उपयोगिता संभावना सीमा B, A, है जी न्मापार से पहले की उपयोगिता संभावना सीमा BA को c बिलु पर स्पर्भ करती है। B, A, वक्र के c से ऊपर कोई अन्य बिनु जंसी विकोण KDL पर ह बिन्दु रोगों उपभोक्ताओं की पहले से अधिक बेस्तर हिंधित में ला देगा क्योंकि D बिनु पर व्यापार - पूर्व हिंधित (0x, और 0x,) की अपेक्षा वह × भीर y की अधिक मात्राओं (0x2 और 0x2)

का उपमोग करता है।

क्यापार से लाभ के परिणामस्वरूप आय के वितरण (Distribution)

में परिवर्तन होगा। मान त्यीकिए कि न्यापार स्थित में

अपमोन्ता हाता वक्र के विन्तु पर है जहाँ न्यापार प्रवि स्थिति

में बिन्दु १ पर अपमोक्ता त की तुलना में अपमोक्ता ह

बेहतर स्थिति में है। सरकार दोनों उपमोक्ताओं के बीच

में वे B, A, बक्र के साध ह बिन्दु पर गति करते हैं। ह बिन्दु इंप्ट्रामी है जहाँ काल्याण अधिकतम होता है क्यों कि क्रोंनी अपनोकता D बिन्दु की अपेक्षा × और Y की अधिक मात्राओं (0×2 और 0Y2) का उपभोग करते हैं।

Jankaj Pir